वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 189 | रविवार 5 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर रेंज व कमिश्नरेट में सबसे अधिक मामले दर्ज

अनुसंधान में लेट-लतीफी से न्याय में देरी

जयपुर. कासं

राजस्थान में जयपुर रेंज व कमिश्नरेट में रहने वाले लोगों को पुलिस अनुसंधान में देरी के चलते समय पर न्याय नहीं मिल रहा है। यह भी गौर करने वाली बात है कि प्रदेश में जयपुर रेंज व कमिश्नरेट में सबसे अधिक आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हो रहे हैं, लेकिन जहां आपराधिक प्रकरण कम दर्ज हो रहे हैं, वो रेंज चालानी प्रतिशत में अव्वल हैं। प्रदेश में दर्ज आपराधिक आंकड़ों की स्थिति से यह स्पष्ट होता है। जयपुर रेंज 24844 और जयपुर कमिश्नरेट 23844 आपराधिक प्रकरणों के साथ पहले व दूसरे पायदान पर है जबकि जोधपुर कमिश्नरेट में इस वर्ष सबसे कम आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए हैं, लेकिन चालान पेश करने में फिसड्डी रहा। प्रदेश पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो सबसे कम प्रकरण जोधपुर कमिश्नरेट में दर्ज हुए हैं। इस वर्ष सितम्बर तक जोधपुर कमिश्नरेट में 6307 आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए। वहीं, जयपुर कमिश्नरेट में 23844 प्रकरण दर्ज हुए। आपराधिक प्रकरण कम दर्ज होने वाली रेंज में बांसवाड़ा में 6759 और पाली रेंज में 8891 आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए।

स्मॉग की चपेट में जयपुर, वायु प्रदूषण का स्तर भी खराब श्रेणी में

दिल्ली-एनसीआर के बाद अब जयपुर में भी शनिवार सुबह से दम घोंटू वायु प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रेड अलर्ट यानि गंभीर श्रेणी में नजर आया। धूप खिलने के बजाय आसमां में शाम तक स्मॉग छाई रही।

जयपुर. कासं

नवंबर की शुरूआत के साथ ही मौसम में बदलाव से सुबह और शाम के समय गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। दूसरी ओर त्योहारी सीजन में मौसमी परिस्थितियों के कारण स्मॉग छाने से आमजन भी परेशान हैं। दिल्ली-एनसीआर के बाद अब जयपुर में भी शनिवार सुबह से दम घोंटू वायु प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में रेड अलर्ट यानि गंभीर श्रेणी में नजर आया। धूप खिलने के बजाय आसमां में शाम तक स्मॉग छाई रही। दृश्यता भी 100 मीटर तक ही रही। चिकित्सकों के मुताबिक सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों और त्वचा संबंधी मरीजों को विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। कई लोगों को सांस की समस्याएं, गले में खराश, सीने में दर्द आंखों में परेशानी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यह इलाके रेड अलर्ट पर

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह जयपुर में औसतन प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक रहा। सबसे अधिक वायु प्रदूषण का स्तर सीतापुरा का

320, मानसरोवर का 264, शास्त्रीनगर का 299, मुरलीपुरा का 330, अजमेरी गेट का 310, राजापार्क का 340, मालवीयनगर का 280 एक्यूआई का स्तर रहा। इससे पहले शुक्रवार को भी जयपुर शहर का औसतन प्रदूषण का स्तर 200 एक्यूआई के पार रहा। इन स्थानों पर पीएम 2.5 यानि सूक्ष्म कण जो सांस लेने पर श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकते हैं और श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। शाम को टोंकरोड, सीकर रोड, झालाना, मालवीय नगर में काली घटाएं छाने के साथ ही हल्की बारिश हुई।

यह है वजह

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के मुताबिक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर, पराली जलाने, प्रदूषण, वाहनों के धुएं से हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से मौसम बदला हुआ है। इसे आमतौर पर कुहासा कहा जाता है। सर्दी की शुरूआत से पहले हवा की गति बेहद धीमी हो जाती है। छोटे-छोटे कण एक जगह जम जाते हैं।

मिस आईकॉन इंडिया 2023 के ऑडिशन का आयोजन

जयपुर. कासं

प्रसिद्ध निभाना होटल में मिस इंडिया आईकॉन 2023 के ऑडिशन किए गए जिसमें पूरे राजस्थान की 27 पार्टिसिपेंटस ने भाग लिया। आईकॉन इंडिया जूरी में अनीता माथुर, अमृता श्री और अवंतिका ने पार्टिसिपेंट्स का कॉन्फिडेंस टैलेंट राउंड इंट्रोडक्शन कैटवॉक से उनको परखा गया जयपुर के ऑडिशन से 6 पार्टिसिपेंट्स को दिल्ली में होने वाले सेमीफाइनल में सिलेक्ट किया जाएगा मिस आईकॉन इंडिया 2023 के गुरुग्राम मुंबई पुणे इंदौर गुवाहाटी देहरादून पुणे आदि 10 विभिन्न शहरों में इसके ऑडिशंस चल रहे हैं। ग्रैंड फिनाले 23 दिसंबर 2023 को दिल्ली में किया जाएगा जिसमें 10 दिन की प्रत्येक पार्टिसिपेंट

को ग्रूमिंग क्लासेस जिसमें प्रमुख तौर पर कम्युनिकेशन स्किल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट स्किल कैटवॉक बॉडी लैंग्वेज इंट्रोडक्शन एक्टिंग स्पीच डायट एक्सप्रेशन आदि पर विशेष ग्रूमिंग होगी और यह बिल्कुल फ्री रहेगा। आईकॉन इंडिया की निर्देशक निशा यादव ने बताया जो विनर रहेंगे वह आईकॉन इंडिया में एक साल की उनको वर्किंग कॉन्ट्रैक्ट किया दिया जाएगा, साथ ही उनको फिल्म, फैशन, वेब सीरीज, टीवी सीरियल्स आदि इंडस्ट्रीज में काम करने के अवसर प्रदान करवाएं जाएंगे। आइकॉन फिलर एकेडमी एक भारत की लीडिंग कंपनी है जो 2012 से पार्टिसिपेंट्स को नेशनल प्लेटफार्म देती है। कार्यक्रम के संचालक अनीता माथुर तथा प्रसिद्ध उद्योगपति सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज ग्रुप के अध्यक्ष बसंत जैन बैराठी ने बताया कि इंडियन आईकॉन कंपनी चार तरह के अवार्ड आयोजित करती है जिसमें प्रमुख मिस इंडिया, मिसेज इंडिया, मिस्टर इंडिया, मिस्टर एंड मिस टीन इंडिया आईकॉन इंडिया हैं। अब तक 16 विजेता विभिन्न चैनल, बॉलीवुड, वेब सीरीज, फैशन मैनेजमेंट में प्रसिद्धि पा चुके हैं। जयपुर की ऑडिशन का संचालन बसंत जैन बैराठी ने किया। कार्यक्रम में जयपुर की प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट एवं फैशन डिजाइनर विजेता फॉरएवर की डायरेक्टर विजेता जैन भी उपस्थित थी।

साधना चैनल के डायरेक्टर ज्ञानचंद जैन ने प्राप्त किया गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का आशीर्वाद

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य डॉ. सुशीला टोंग्या वरुण पथ जयपुर , हितेश छाबडा निवाई एवं सतीश जैन सेलम वालों ने प्राप्त किया ।साधना न्यूज चैनल के डायरेक्टर ज्ञानचंद जैन भोपाल वालों ने गुरु माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का निरीक्षण किया । अल्प समय में यह विज्ञातीर्थ क्षेत्र विकसित होकर विशाल रूप धारण करेगा। पूज्य माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में सभी को ध्यान के बारे में समझाते हुये कहा कि - जीवन में ध्यान का बहुत अधिक महत्व है। मनुष्य की सामान्य जीवनचर्या ध्यान द्वारा नवदृष्टि प्राप्त करती है। ध्यान की गंभीरता व गंभीर स्थिरता व्यक्ति के चारों ओर सकारात्मक स्थितियों का निर्माण करती है। इससे क्रोध, काम, लोभ और मोह के बंधनों से मुक्ति मिलती है। ध्यानस्थ रहकर नकारात्मक मनोभावों पर नियंत्रण का अभ्यास होता है। हमारे जैन मुनियों तीर्थंकरों ने इसी ध्यान पर अपने मन को केन्द्रित कर शिवपुर अर्थात मोक्ष को प्राप्त किया। साधुओं के लिए 2 कर्तव्य मुख्य है सामायिक और ध्यान। ध्यान के कारण शरीर की आतंरिक क्रियाओं में विशेष परिवर्तन होते हैं और शरीर की प्रत्येक कोशिका प्राणतत्व (ऊर्जा) से भर जाती है। शरीर में प्राणतत्व के बढ़ने से प्रसन्नता, शांति और उत्साह का संचार भी बढ़ जाता है। ध्यान मस्तिष्क के आतंरिक रूप को स्वच्छ व पोषण प्रदान करता है।

मिनाक्षी टेंपल की थीम पर डिजाइन किए ड्रेस

मुंबई की सुपरमॉडल्स ने रैंप पर शो किए डेढ दर्जन से अधिक थीम बेस्ड ड्रेसेस

जयपुर. कासं। पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज के एनुअल फैशन शो ''फैशन रनवे 2023'' शनिवार शाम जगतपुरा स्थित पोद्दार बिजनेस स्कूल में हुआ। इस फैशन रनवे मे मुंबई की कई मॉडल्स ने स्टूडेंट्स की थीम बेस्ड डिजाइन के पॉपुलर प्रोडक्ट्स को रैंप पर शोकेस किया। सुपरमॉडल एलिसिया विजय राउत और अनिता कुमार ने जैसे ही रैंप पर डिजाइनिंग स्टूडेंट्स के डिजाइन को शोकेस करने उतरी, पूरा माहौल फैशन और डिजाइन के रंग मे सराबोर नजर आया।

थीम बेस्ड डिजाइन हुए शोकेस: कॉलेज के डिजाइन स्टूडेंट्स ने थीम बेस्ड डिजाइन तैयार किए। फैशन शो में फैशन डिजायन के बीडेस, बीवॉक, एमडेस के फायनल ईयर स्टूडेंटस के प्रोजेक्ट्स को मॉडल्स ने शो किया। शो में स्टूडेंट्स ने अतरंगी, अप्सरा, डव, एंगल ऑफ डार्कनेस, ब्लॉसम्स ब्लूम, टॉक्सिक चार्म समेत करीब डेढ दर्जन से अधिक थीम बेस्ड प्रोजेक्ट्स को देश की ख्यातनाम सुपरमॉडल्स ने रैंप पर उतारा। पोद्दार इंस्टीट्यूट की स्टूडेंट प्रिया ने बताया- हमने मीनाक्षी टेंपल की थीम पर ड्रेस तैयार किया। मैं मीनाक्षी टेंपल जाती रहती हूं। यह टेंपल शक्ति को समर्पित है। इसी से इंस्पायर होकर हमने इस थीम पर ड्रेस को डिजाइन किया। इसमें लगभग 3 महीने का समय लगा। इस एक ड्रेस को डिजाइन करने में 70 हजार रूपए का खर्च आया।

संघर्ष के आगे जीत तय: फैशन शो से पूर्व पत्रकारों से बात करते हुए सुपर मॉडल अलेशीया ओर अनिता कुमार ने स्टूडेंट्स के डिजाइन की तारीफ की।उन्होंने कहा कि टैलेंटेड स्टूडेंट्स के लिए विकल्पों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने संघर्ष करने पर सफलता मिलना तय बताया।

भगवान महावीर की अहिंसा

डॉ. नरेंद्र जैन भारती सनावद (म. प्र.)

जैन धर्म का पालन करने वाला व्यक्ति संस्कारित होता है, ऐसा अतीत काल में सभी के मुख से सुना जाता था। वर्तमान में भी अनेक व्यक्ति अहिंसा और शाकाहार की नीति का पालन करते हुए जीवन व्यतीत करते हैं। प्राचीन ग्रंथो में अहिंसा की नीति का पालन करने की प्रेरणा दी गई है लेकिन जैन धर्म ने ''अहिंसा परमो धर्म'' अर्थात अहिंसा ही परम धर्म है,ऐसा कथन कर बताया कि अहिंसा के बिना धर्म की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भगवान महावीर स्वामी ने कहा है कि सभी प्राणियों में आत्मा एक समान है अतः न किसी को मारो और ना ही सताओ क्योंकि जगत के सभी प्राणियों को निर्भय होकर जीने का अधिकार है। भगवान महावीर की यह भावना वर्तमान में ''जियो और जीने दो'' की भावना में दिखाई देती है। यह भावना तभी साकार रूप ले सकती है जब व्यक्ति राग द्वेष से रहित हो, क्योंकि जहां राग और द्वेष होते हैं वहां हिंसा होती है इसलिए आचार्य अमृतचंद जी ने प्रसिद्ध ग्रंथ ''पुरुषार्थ सिद्धयुपाय'' में ऐसा लिखा है कि ''रागादीना भवत्यहिंसेति अर्थात रागादि के कारण हिंसा होती है,उसका प्रादुर्भाव न होना ही अहिंसा है।'' संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज कहते हैं कि - राग द्वेष से मुक्त होकर जीना यही अहिंसा की सर्वोत्तम उपलब्धि है। शांति के साथ जो जीवन है,उसका महत्व नहीं समझना ही हिंसा है।व्याकुल हो जाना, रात में बेचैन रहना भी हिंसा है। भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा का जो सिद्धांत दिया वह अत्यंत सुख चाहने वालों के लिए दिया है। जैन दर्शन ने बताया है कि किसी भी प्राणी को मारना द्रव्य हिंसा तथा राग द्वेष आदि के भाव रखना भाव हिंसा है जीव को दोनों तरह की हिंसा से बचना चाहिए,वह तभी धर्म का पालन कर सकेगा। सच्चा धर्म अहिंसा ही है जिसमें जीव दया की महत्ता है यदि विश्व में अशांति है,समाज में तनाव है,लोगों में आत्म नियंत्रण नहीं है तो इसका मूल कारण हिंसा ही है। अतः समाज तथा विश्व में शांति की स्थापना के लिए सभी को अहिंसा का पालन करना चाहिए।

नेट थियेट पर लोकगीत जमें

धीरे-धीरे बोलो म्हारी ननंद भाईसा रा बीर

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजस्थान लोकगीत कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोकगायिका कविता डांगी ने अपनी मीठी वाणी से राजस्थानी लोकगीतों को सुनाकर दर्शकों को राजस्थानी संस्कृति रूबरू करवाया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि लोकगायिका कविता डांगी अपने लोकगीतों के शुरूआत जुल्मी धीरे-धीरे बोलो म्हारी ननंद बाईसा रा बीर सुनाकर राजस्थान की माटी की सुगंध बिखेरी। इसके बाद उड उड रे म्हारा हरिया रे ,बावरिया थोड़ी नीचे लूल जा रे, याद थारी आई जना छाने छाने रोई और लागी रे लागी महान्य कुन की नजरिया लागी लोकलोक गीत सुनाकर सभी को मंत्र मुग्ध किया। हारमोनियम पर सुप्रसिद्ध कलाकार शेरखान, और तबले पर राजेंद्र डांगी ने जोरदार संगत करते हुए राजस्थानी संस्कृति और लोकगीतों के इस कार्यक्रम को राजस्थान की माटी से जोड़ा। संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच निर्माण जीवितेश शर्मा अंकित शर्मा नोनू रहे।

प्रथम पुण्यतिथि

हमारे प्रिय मित्र

श्री चेतन भंसाली

(सुपुत्र श्री विमल चन्द जी भँसाली)

की पुण्यतिथि प्रथम पुण्यतिथि पर हम हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

विवेक - पूजा मेहता, विनय - डिंपल लोढ़ा

विनोद (मोनू) - रवीना छाबड़ा

एवं समस्त मित्रगण

DR. FIXIT Pidilite

WATERPROOFING EXPERT

RAJENDRA JAIN

80036-14691

जापानी टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदरप्रूफ पाये सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करे

FOR YOUR NEW & OLD CONSTRUCTION

छत व दीवारों का बिना तोडफोड के सीलन का निवारण

DOLPHIN WATERPROOFING

116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

वेद ज्ञान

प्रश्नों के उत्तर

बाल्यावस्था के बाद मनुष्य की सोच का क्षेत्र बढ़ता जाता है। इस कारण मन में स्वाभाविक प्रक्रिया के अंतर्गत प्रश्नों की लहरें उभरने लगती हैं। जब तक समस्याओं के समाधान मिलते रहते हैं, तब तक मन की जिज्ञासा शांत रहती है, लेकिन जीवन में ऐसी समस्याएं आती रहती हैं, जिनका हल अत्यंत कठिन होता है। यही प्रश्नों को जन्म देती हैं। इनका हल न होना ही मन में अशांति को जन्म देना है। प्रश्नों व समस्याओं की लहरें दिन प्रतिदिन आती ही रहती हैं और यह बढ़ती ही जाती हैं। इसलिए यदि मस्तिष्क को अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त होती रहती है तो उस स्थिति में मन में अशांति नहीं ठहर पाती है। जीवन में अशांति का मुख्य कारण होता है। यद्यपि वह इसे कुछ समय के लिए भूलने का प्रयास करता है और इसे भूलने में सफल भी हो जाता है, लेकिन दूसरे ही क्षण समस्याएं याद आने लगती हैं और पुनः मन अशांत होने लगता है। समस्याओं को कुछ समय के लिए भूल जाना या उनसे दूर हो जाना शांति अवश्य प्रदान कर देता है, लेकिन दूसरे ही क्षण मन पहले से भी अधिक अशांत हो जाता है मस्तिष्क में समस्याओं का स्थाई समाधान ही अशांत मन को शांत करता है। यदि समस्याएं हल होती रहती हैं तो आनंद की अनुभूति भी होती रहती है और समस्याएं समस्याओं के रूप में दिखाई नहीं देती हैं बल्कि ऐसी समस्याओं को सुलझाने में आनंद की अनुभूति होने लगती है। जब समस्याएं समस्याओं के रूप में नहीं दिखाई देती बल्कि उन्हें हल करने में आनंद की अनुभूति होती है, तो यह समझ लें कि आत्मिक ऊर्जा प्रचुर मात्रा में प्राप्त होने लगी है। यह ऊर्जा यदि एक बार मिलना प्रारंभ हो जाती है तो यह मिलती ही रहती है और मस्तिष्क को बल प्रदान करती रहती है जिससे प्रश्नों का समाधान मस्तिष्क में स्वतः होता रहता है और मन अशांति की स्थिति में नहीं पहुंच पाता है। अशांति खत्म होते ही आनंद की अनुभूति होने लगती है, लेकिन यह तभी संभव है जब मस्तिष्क को बलशाली ऊर्जा प्राप्त होती रहे। बलशाली ऊर्जा तभी प्राप्त हो सकती है जब मस्तिष्क को कुछ क्षणों के लिए ध्यान स्थिति में ले जाया जाए। इससे आध्यात्मिक ऊर्जा मस्तिष्क में प्रवेश करने लगती है जिससे अशांत मन शांत हो जाता है और इसके शांत होते ही मस्तिष्क को आनंद की अनुभूति होने लगती है।

संपादकीय

न्यायसंगत नहीं नारायणमूर्ति की राय

अभी हाल ही में प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति के द्वारा युवाओं को काम के घंटे बढ़ाने को लेकर दिए गए बयान से देश में एक बहस छिड़ गई है। एक साक्षात्कार में नारायणमूर्ति ने कहा कि अगर भारत विकसित दों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता है तो युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। उनका कहना था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वहां की सरकार और उद्योग जगत ने जर्मनी और जापान को फिर से खड़ा किया। हर जर्मन नागरिक ने वहां कई वर्षों तक ज्यादा घंटे काम किया। उन्होनें यह सलाह भी दी कि भारत में हमारे नेता व कॉरपोरेट जगत भी ऐसा ही करवाएं। इसके साथ-साथ उन्होंने देश की प्रगति के लिए सरकारी भ्रष्टाचार और नौकराशाही की सुस्त चाल पर भी टिप्पणी की। इस संदर्भ में डब्ल्यूएचओ ने साफ कहा है कि प्रति सप्ताह

35-40 घंटे काम करने की तुलना में 55 घंटे से अधिक काम करने से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा 35 प्रतिशत और हृदयाघात का जोखिम 17 प्रतिशत अधिक होता है। 2021 में एनवायरमेंन्ट इंटरनेशनल में प्रकाशित शोध से जुड़े तथ्य बताते हैं कि लबे समय तक काम करने के कारण 2016 में स्ट्रोक और इस्केमिक हृदय रोग से 7 लाख 45 हजार मौतें हुई थीं। काम से जुड़े घंटे को लेकर जो अध्ययन हो रहे हैं उनसे साफ पता चलता है कि लोगों पर काम का बोझ केवल व्यस्कों पर ही नहीं, बल्कि यह युवाओं को भी तनावग्रस्त बना रहा है। आज युवा काम की अधिकता के कारण काम और घर को अलग नहीं कर पा रहे हैं। इससे जुड़ा अध्ययन बताता है कि 41 फीसद से ज्यादा भारतीय युवा घर और दफतर की जिम्मेदारियों के बीच बर्नआउट अर्थात काम के तनाव के शिकार हैं। हावर्ड बिजनेस का एक समीक्षात्मक लेख बताता है कि 9 से 5 बजे तक का समय आपका पूरा जीवन नहीं है। ऑफिस के बाहर भी आपकी अपनी एक दुनिया है जो आपको वास्तविक खुशी देती है। ऑफिस और घर के बीच संतुलन को लेकर आजकल सोसल मीडिया पर फाइब टू नाइन और नाइन टू फाइब को लेकर कई अभियान चल रहे हैं जो इसी बहस को विस्तार दे रहे हैं। निश्चित ही नारायणमूर्ति का बयान ऐसे समय में आया है जब विश्वभर में कर्मचारियों पर से काम का बोझ घटाने और उन्हें अपने परिवारजनों के साथ समय बिताने के लिए अधिक प्रेरित किया जा रहा है। आधुनिक कार्य संस्कृति और श्रेष्ठ प्रबंधन से जुड़े शोध बताते हैं कि संतुष्ट कर्मचारी अधिक उत्पादन करता है। तभी पूरी दुनिया में कर्मचारियों के आज काम के घंटे घटाते हुए अधिक सुविधाएं प्रदान करने की मुहिम चल रही है। तीसरी दुनिया के तानाशाही शासन प्रणाली वाले देशों को छोड़ दिया जाए तो आज दुनियाभर के लोगों में इतना अधिक काम लेने की परम्परा नहीं है। डेनमार्क, आस्ट्रिया, नार्वे व फिनलैंड जैसे देशों में अधिकतम 31 घंटे काम लिया जाता है और इन देशों की गिनती अधिक उत्पादकता वाले देशों में होती है। वहां सप्ताह में पांच दिन कार्य करने की परम्परा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भ्रष्टाचार के खिलाफ

जब हम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को देश भर में अनेक जगहों पर भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर सक्रिय देख रहे हैं, तब किसी ईडी अधिकारी का रिश्वत लेते पकड़े जाना बहुत निराश करता है। अलबत्ता, राजस्थान में ईडी के एक अधिकारी व उसके सहयोगी की गिरफ्तारी जरूरी व स्वागतयोग्य है। किसी भी व्यवस्था में भ्रष्ट लोगों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। राजस्थान के नीमराणा में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने ईडी के अधिकारी को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़कर भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नया अध्याय लिख दिया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ज्यादा जरूरी है, जांच एजेंसियों का पाक दामन होना। यह ईडी अधिकारी मणिपुर के इंफाल में तैनात था और वहां चिटफंड कंपनी के मामले की जांच कर रहा था। दोषियों या पीड़ितों को बचाने के लिए वह पैसे मांग रहा था। रिश्वत मांगने में राजस्थान सरकार का एक कर्मचारी भी शामिल था, उसको भी गिरफ्तार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार का यह पहलू भी नया नहीं है कि मणिपुर के मामले को राजस्थान में रफा-दफा करने की साजिश रची जा रही थी। जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार के अनेक मामले हैं, जिनसे आम लोगों की चिंता में इजाफा होता है और सरकार के प्रति अविश्वास भी बढ़ता है। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच करोड़ रुपये के भुगतान मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह अफसोसनाक है कि सीबीआई भी दूध की धुली नहीं है। कुछ समय पहले ही असम पुलिस ने एक सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया था, यह अधिकारी एक व्यापारी से पैसे वसूलने की साजिश में जुटा था। और तो और, पिछले साल मई में स्वयं सीबीआई ने अपने ही चार सब-इंस्पेक्टरों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस की बात करें, तो उस पर ऐसे आरोपों को गिनते हुए कोई भी थक जाएगा। वास्तव में, भ्रष्टाचार समग्रता में एक बड़ी चिंता का विषय है। ऐसे में, जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की पैठ को पहले खत्म करना देश के तेज व न्यायपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह सवाल बहुत पुराना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ हमें कैसे लड़ना चाहिए? इसका एक ही उपाय है और वह हमारी व्यवस्था के तहत ही किया गया है। जांच एजेंसियों को जहां एक ओर, बाहर व्याप्त भ्रष्टाचार से लड़ना है, वहीं उन्हें अपने आंतरिक कमियों से भी निपटना होगा। जैसे ईडी के नाकारा अधिकारी को एसीबी ने पकड़ा है, जैसे एसीबी के धोखेबाज अधिकारियों को पुलिस या सीबीआई पकड़ती है, जैसे सीबीआई के भ्रष्ट अफसरों को स्वयं सीबीआई हथकड़ी पहनाती है, इस सुधार या सतर्क प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है। आखिर लोहा ही लोहे को काटता है। एजेंसियों को अपनी शुचिता, ईमानदारी, विश्वसनीयता बरकरार रखनी चाहिए। उन्हें कोई राजनीतिक कोण से न देखे, उनका कोई दुरुपयोग न करे, यह सुनिश्चित करने का काम भी स्वयं एजेंसियों का है। जांच एजेंसियों को नैतिकता के मजबूत चबूतरे पर पांव रखकर काम करना चाहिए। राजस्थान की ही अगर बात करें, तो चुनाव से पहले वहां ईडी की बढ़ी सक्रियता को गहलोत सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेता भी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। हमारी एजेंसियों को ऐसी आशंकाओं को मजबूत नहीं होने देना चाहिए।

वीआईएफटी कॉलेज स्टूडेंट्स पहुंचे टखमण आर्ट सेंटर

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कोई पेंटिंग्स देखकर हैरान हो गया तो कोई स्कल्पचर आर्ट पर निसार हुआ.. किसी ने पहली बार ग्राफिक आर्ट को देखा और जाना तो कईयों ने सिरेमिक क्ले आर्ट में हाथ आजमाए....! मौका था शनिवार को टखमण कला सेंटर एकेडमिक विजिट का जिसमें वीआईएफटी कॉलेज से फाइन आर्ट, फैशन और इंटीरियर डिजाइन सहित मास कम्युनिकेशन के तमाम स्टूडेंट्स बेहद तन्मयता से भागीदार बने। संघ अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि आर्ट सेंटर पहुंचकर उन्होंने वरिष्ठ कलाकार और टखमण अध्यक्ष एल एल वर्मा, सचिव संदीप पालीवाल, रघुनाथ शर्मा, सीपी चौधरी, समता पाठक, शीतल चौधरी और जयेश सिकलिगर ने कला के नए और रचनात्मक स्वरूपों से परिचित कराया। कॉलेज डायरेक्टर रिमझिम गुप्ता और प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण की परकल्पना और संचालन राकेश शर्मा 'राजदीप' ने की। करीब दो घंटे से अधिक समय तक सभी स्टूडेंट्स कला के विभिन्न आयामों को सीखने समझने और भ्रमण की यादों को मोबाईल कैमरे में कैद करने में तल्लीन रहे। इस अवसर पर फैकल्टी निशात परवीन और अभिषेक पंवार भी विद्यार्थियों संग उपस्थित रहे।

रिपोर्ट /फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

नाज में बच्चों ने सजाए दीपक और बनाई रंगोली

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित सेंदड़ा रोड पर संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ नाज के विद्यालय प्रांगण में दीपावली के शुभ अवसर पर बच्चों के लिए दीपक सजावट और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य श्री धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उप प्राचार्य श्री नागेश राठौड़ ने मां सरस्वती , महावीर स्वामी ,लक्ष्मी -गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया जिसमें सभी हाउस के लगभग 100 बच्चों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा द्वारा सभी को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दी गई और साथ ही विद्यार्थियों को बताया कि स्वयं को दीपक की तरह रोशन और रंगोली की तरह खूबसूरत बनना है जिसके लिए कड़ी मेहनत करें और योग्यता से अपने जीवन के अंधकार को दूर करें। निर्णायक मंडल की भूमिका गोठी स्कूल की अध्यापिका श्रीमती निर्मला माली, विदुषी श्रीमती मनीषा गहलोत ने निभाते हुए सामूहिक रूप से परिणाम जारी किया। दीपक सजावट प्रतियोगिता में प्री प्राइमरी सेक्शन में रुद्रांश सिंह प्रथम, हर्षवर्धन सिंह द्वितीय, याशिका शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर में गौतम आसानी ब्लू हाउस एवं जय जांगिड़ गोल्ड हाउस प्रथम, कार्तिक भट्ट गोल्ड हाउस द्वितीय,लक्ष्य किरार ग्रीन हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर में भावेश सिंह गोल्ड हाउस एवं भावेश जांगिड़ रेड हाउस प्रथम, जयश्री रेड हाउस द्वितीय, अंशिता गोल्ड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महंत महेश गिरी द्वारा जैन तीर्थ गिरनार पर दिगंबर मुनियों के आगमन पर कत्ल करने की दी गई धमकी का कड़ा विरोध

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पत्रकार महासंघ (रजि.) द्वारा 3 नवंबर को एक आपात बैठक स्थानीय दिगंबर जैन भट्टारक जी की नसिया, नारायण सिंह सर्किल,स्थित सभा कक्ष में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया की अध्यक्षता में हुई जिसमें भाजपा के पूर्व सांसद एवं दत्तात्रेय महंत महेश गिरी द्वारा 28 अक्टूबर को अनर्गल एवं भड़काऊ वक्तव्य जैन तीर्थ गिरनार में दिगंबर मुनियों के आगमन पर कत्ल करने की धमकी दी है उक्त वक्तव्य के संबंध में जैन पत्रकार महासंघ ने कडा विरोध प्रकट किया है। महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि उक्त वक्तव्य के विरोध में व महन्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने हेतु मीटिंग में निर्णय लिया गया है कि देश के माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, गुजरात के मुख्यमंत्री, एवं गुजरात प्रशासन, जूनागढ़ प्रशासन को ज्ञापन भेजा जाए, व ज्ञापन में यह भी निवेदन किया जाय कि गिरनार पर्वत जैन संस्कृति का, जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ जी की तप व मोक्ष स्थली है, पूज्य है, जैनों के श्रद्धा का क्षेत्र है , न्यायालय के निर्णय के अनुसार जैन संतों व जैन बन्धुओं को दर्शन, पूजन का अधिकार दिलाया जाए और वहां पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस पवित्र व पूज्य

तीर्थ क्षेत्र गिरनार जी में अधिक से अधिक संख्या में जैन बंधु वन्दना व दर्शन के लिए प्रतिमाह ग्रुपों के साथ अवश्य पहुंचें। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से अनुरोध किया है कि धर्मनिरपेक्ष देश में पार्टी को अपने प्रतिनिधियों पर ऐसे वक्तव्य देने पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जाए और उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। मीटिंग में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेंद्र बैराठी, मनीष बैद, दीपक गोधा, चंद्रशेखर जैन, मुकेश जैन आदि अनेकों वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को ॐ आश्रम के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

विश्व गुरु स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज एवं उनके सचिव कपिल अग्रवाल ने भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की । यह मुलाकात राजस्थान के पाली जिले में स्थित जाडन में बने ॐ आश्रम के भव्य उद्घाटन के लिए उन्हें आमंत्रित करने के लिए की गई । ॐ आश्रम का भव्य उद्घाटन 19 फरवरी 2024 को होगा । जिसके लिए पहला आमंत्रण भारत की राष्ट्रपति जी को दिया । महामहिम राष्ट्रपति जी ने कहा कि वे ॐ आश्रम के इस भव्य उद्घाटन समारोह में आना पसंद करेंगी। विश्व गुरु जी के सचिव कपिल अग्रवाल ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति जी से उनकी यह मुलाकात अच्छी रही और महामहिम जी ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आश्वासन भी दिया ।

खेला गया नाटक 'बड़े धोखे हैं इस राह में'

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनिश्री सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा व ऐलक श्री धैर्यसागर जी महाराज जी की प्रेरणा से उन्हीं के सच्ची घटनाओं पर लिखित पुस्तक ''लव कैमेस्ट्री'' पर आधारित नाटक ''बड़े धोखे हैं इस राह में'' का मंचन रविन्द्र मंच पर अरिहन्त नाट्य संस्था के कलाकारों ने किया। नाटक का संयोजन अजय जैन मोहनबाड़ी व लेखन एवं निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी तपन भट्ट ने किया। नाटक में बताया गया है कि आज के बदलते समय मे युवापीढ़ी अपनी संस्कृति को भूलती जा रहे है और पाश्चात्य संस्कृति को अपनाते जा रहे है जिसके चलते वो अपने परिवार के संस्कारो को एक तरफा रख उन्मुक्त गगन में उड़ना चाहते है वो बिना किसी की परवाह किए अपनी मनमानी करते है । आज के बदलते दौर में लड़के व लड़कियां अरेंज मैरिज की जगह लव मैरिज में ज्यादा विश्वास रखते है और अपने परिवार की मान,मयार्दा को भी भूल जाते है और घर से भाग कर शादी कर लेते है ऐसे में कई युवाओं को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अंत मे उनका परिवार उनका रिश्ता एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा होता है जिसमे उनके पास कोई अपना कहने वाला भी नही होता,उस स्तिथि में उनके पास आत्म हत्या और घुट घुट कर जीने के अलावा कोई रास्ता नहीं होता।

इन कलाकारों ने निभाया अभिनय

नाटक में अजय जैन,चित्रांश माथुर, मोनिका, होसाना, शाहरुख खान,झिलमिल भट्ट, ऋचा पालीवाल, दीपक जांगिड़, मनोज ईडिवाल, रोहन पारीक,विकास कुमार ने सशक्त अभिनय किया प्रकाश व्यवस्था यशेष पटेल,संगीत अनुज भट्ट, रूप सज्जा असलम पठान वीडियोग्राफी श्याम बिहारी शर्मा ने की। नाटक का प्रदर्शन भारत के अनेक शहरों में किया जाएगा।

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार, 4 नवंबर को प्रातः 10:30 बजे वर्धमान सभा भवन में ''वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह'' का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि एवं महावीर विद्यालय के पूर्व छात्र माननीय मुकेश सोगानी एवं सुनील सोगानी प्रसिद्ध समाज सेवी का बैग पाइप बैंड की मधुर ध्वनि के साथ आगमन हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुकेश सोगानी, विद्यालय के उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, संयुक्त सचिव कमल बाबू जैन, कोषाध्यक्ष महेश काला, राजेन्द्र बिलाला, मनीष बैद तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन सहित श्लोकोच्चारण की मंगल ध्वनि के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, मानद् मंत्री सुनील बख़्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयुक्त सचिव कमल बाबू जैन, राजेंद्र बिलाला, मनीष बैद द्वारा माला व साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर कर एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट करके किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ''आओ जी पधारो म्हारे देश'' स्वागत-गीत द्वारा समारोह में उपस्थित सभी सभाजनों को अपने मधुर स्वरों से मंत्रमुग्ध कर दिया तत्पश्चात विद्यालय के कोषाध्यक्ष महेश काला द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने विद्यालय का वार्षिक ब्यौरा प्रस्तुत कर विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह विद्यालय की शिक्षा परिषद् द्वारा प्राथमिक कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों में प्रथम कक्षा की खुशी अग्रवाल, द्वितीय कक्षा के युवांश शर्मा,तृतीय कक्षा के आदित्य गुप्ता,चतुर्थ कक्षा की पृषा तथा पांचवी कक्षा के विहान माखीजा को 5000-5000/- के चेक, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। माध्यमिक कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों में छठी कक्षा के प्रखर राज जैन, सातवीं कक्षा की गुंजन मन्ना तथा आठवीं कक्षा की सेजल मिश्रा को 10000-10000/- के चेक, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिए गए। सैकेंडरी कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों में नवीं कक्षा की मैथिली गुप्ता,दसवीं कक्षा के निकुंज अग्रवाल तथा सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं में 11वीं कक्षा के अवि जैन (साइंस), नैतिक जैन (कॉमर्स) तथा 12वीं कक्षा के अंश भार्गव (साइंस) व कुशाग्र गुप्ता (कॉमर्स) को 15000-15000/- के चेक, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिए। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कक्षा 10वीं व 12वीं के छात्र-छात्राओं को 1100-1100/- के नगद पुरस्कार,प्रमाण पत्र व मेडल द्वारा सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट प्रतिभाओं हेतु विद्यार्थियों को मेडल व प्रमाण-पत्र दिए गए। एंडॉवमेंट्स अवॉर्ड्स के अंतर्गत बी.एल. अजमेरा एजुकेशनल एंडॉवमेंट की ओर से 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहे छात्र अंश भार्गव (साइंस) व कुशाग्र गुप्ता (कॉमर्स) को 1500-1500/- के चेक, ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। फूलवती लुहाडिया स्पोर्ट्स फाउंड की ओर से बेस्ट स्पोर्ट्स बॉय मिहिर शेखर शर्मा व बेस्ट स्पोर्ट्स गर्ल समृद्धि जैन को 1500-1500/- के चेक, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। ज्ञानचंद खिंदुका एजुकेशनल एंडॉवमेंट की ओर से जैन छात्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 10वीं कक्षा के छात्र वेदांत जैन को 1500/- का चेक, सुदीप ठोलिया एजुकेशनल एंडॉवमेंट की ओर से हिमांशी केसवानी को बेस्ट एथलीट के लिए 3000/- का चेक, विद्या विनोद काला एजुकेशनल एंडॉवमेंट की ओर से व्यवहार व शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु राशि जैन को 5000/- का चेक प्रदान किया गया। बेस्ट सीनियर छात्र में बेस्ट ऑल राउंडर दिविता शर्मा को तथा बेस्ट जूनियर छात्र में बेस्ट ऑल राउंडर वर्णिका अलवानी को 2100/- का चेक,ट्रॉफी,रनिंग शील्ड एवं प्रमाण पत्र दिया गया। सर्वश्रेष्ठ सदन के लिए मयूर हाउस को रेखा निगोटिया व प्रवीण निगोटिया रनिंग शील्ड प्रदान की गई। कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु धनुश्री वर्मा को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिया गया। बेस्ट टीचर के लिए महावीर पब्लिक स्कूल की अध्यापिका श्रीमती शिवानी मुखर्जी, श्रीमती मधु गहलोत व श्रीमती आरती राय को सम्मानित किया गया। विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात आयोजन के मुख्य अतिथि को संस्था सदस्यों एवं प्राचार्या द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की सीनियर अध्यापिका श्रीमती आरती राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के हैड बॉय अभिनंदन शर्मा व खुशी पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

गुरुमां ससंघ कर्मयोगी एनक्लेव जैन मंदिर से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव पहुंची

आगरा. शाबाश इंडिया। 4 अक्टूबर को समाधिस्थ आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज जी की अंतिम दीक्षित गणिनी आर्यिका श्री 105 आर्षमति माताजी ससंघ ने श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कर्मयोगी एनक्लेव से पद विहार कर कमला नगर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव पहुंची। जहां पर भक्तों ने गुरुमां संघ का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की। मंगल प्रवेश के उपरांत गुरुमां ससंघ ने मुलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा के दर्शन किए। तत्पश्चात प्रातः 7:00 बजे से 7:30 तक पूज्य माताजी के सानिध्य में भक्तों ने श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा की। इसके बाद भक्तों को गुरुमां की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ। आपको बता दें कि परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 आर्षमति माताजी ससंघ के सानिध्य में दिनांक 5 नवंबर 2023 रविवार को दोपहर 1:00 बजे से बड़े ही भक्ति भाव से श्री भक्तामर दीप मालिका विधान का आयोजन किया जाएगा।

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सोलफुल वॉकिंग सत्संग का अयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर स्वयंसेवकों द्वारा मानसरोवर में 2 नवंबर को शाम 7:30 बजे से वाकिंग सत्संग का अयोजन किया गया । जहां आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक और प्रसिद्ध गायक डॉ सौरभ शेखावत और शंकर हेमराजानी ने 80 स्वयंसेवकों के साथ मानसरोवर की सड़कों पर सुरों का जादू बिखेर दिया जिससे वातावरण आनंद से भर गया और सभी ने हर कदम पर दिव्य लय के साथ तालमेल बिठाते हुए गायन और नृत्य किया। इस सत्संग का उद्देश्य आर्ट ऑफ लविंग प्रणेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के प्यार, ध्यान और ज्ञान के संदेश को जयपुरवासियों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के आयोजक एवं आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक अमृषा एवम उत्कर्ष गुप्ता ने बताया कि केवल 45 मिनट में स्वयंसेवक 400 लोगों से मिले और उन सभी को आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में निःशुल्क योग और ध्यान कार्यक्रम तथा साप्ताहिक सत्संग का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया गया । स्वयंसेवक ने कहां की वह जयपुरवासियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए इस तरह की हृदयस्पर्शी गतिविधियों का आयोजन जारी रखेंगे। शानदार आयोजन में आर्ट ऑफ लिविंग के रोहन, विधि, चारु, खुशी, हिमांशी एवं पारस ने सहयोग किया।

कर्म जीवन का आधार है और आत्मा का श्रंगार है और कर्मों से ही होगा आत्मा का उध्दार : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई । शनिवार। कर्म जीवन का आधार है और आत्मा का श्रंगार है और कर्मों से ही होगा आत्मा का उध्दार। शनिवार को साहुकार पेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने विचारों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वे तुम्हारा कर्म बन जाएंगे और अपने कर्मो पर तुमने नियंत्रण नहीं रखा तो ये भाग्य बनकर तुम्हारी आत्मा को संसार मे अटका देगें ।इस सृष्टि में कोई भी व्यक्ति बिना कर्म किए नहीं रह सकता है। चाहें विचारों के माध्यम से हो या क्रिर्या के द्वारा जीव-जंतु हों या मनुष्य,कोई भी अकर्मण्य नहीं है और न ही कर्म किए बिना रह सकता क्योंकि कर्म ही सब कुछ है। ये कर्म ही हमारे जीवन की दिशा और दशा तय करता है। जो मनुष्य कर्मयोग की कला को जानकर कर्म करता है वही व्यक्ति संसार से अपनी आत्मा को मुक्ति दिला पाएगा ।साध्वी स्नेहप्रभा भगवान महावीर कि अंतिम दिव्य देशना श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के बाईसवें और तेहिसवें अध्याय रहनेमिज्यं एवं सिमोयमिज्जं पाठ का वर्णन करतें हुए कहा कि जो मनुष्य अपने मन पर विजय पा लेता है वही अपनी इन्द्रियो और आत्मा को वश में करके संसार को जीत सकता है। श्रीसंघ साहुकारपेट के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया की धर्मसभा अनेक भाईयो और बहनों ने उपवास, आयंबिल एकासन व्रत आदि के साध्वी वृंद से प्रत्याख्यान लिए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज जी महाराज ने कहा...

जानने में सुख मिल सकता है, हित नहीं हो सकता

श्रमण संस्कृति संस्थान की वेटीयो ने देशभर की समाज को प्रभावित किया: विजय धुर्रा

आगरा में चल रहा है समयसार शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया

जानने में सुख मिल सकता है हित नहीं हो सकता ज्ञान तो पाप को हेय को भी जनता है ज्ञान तो जहर को भी जनता है लेकिन जानने में सुख नहीं है सुख और भी ऊपर है जानने के बाद कुछ और भी हैं कुछ विचार ऐसे होते हैं जिनको सोचने में भय होने लगता है कुछ वाते हम सोचते तक नहीं है क्योंकि वहां दुःख नजर आ रहा है कष्ट नजर आ रहा है उक्त आश्य केउद्गार हरि पर्वत आगरा में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

कम्प्यूटर से भी तेज स्पीड में जनता के समक्ष ग्रंथ को सुनना बड़ी बात है

जिज्ञासा समाधान समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि समयसार शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर में जिस 8तरह से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की वेटीयो ने समयसार जैसे कठिन ग्रंथ राज को जिसकी चार लाइनें भी दोहराना मुश्किल होता है ऐसे 450प्रष्ट के ग्रंथ को कंठस्थ कर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के पूछने पर कम्प्यूटर

से भी तेज स्पीड में सीधे प्रसारण में जनता के समक्ष रखा है उससे पूरा देश इन वेटीयो की प्रतिभा का कायल हो गया है थूवोनजी कमेटी इन की प्रतिभा व कठिन परिश्रम की भूरी भूरी प्रसंशा करते हुए आनंदित हो रही है कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघाई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरववाझल आडिटर राजीवचन्देरी हमारे संरक्षण इसरो वैज्ञानिक डॉ जी सी जैन अहमदाबाद के साथ हम इनको सम्मानित करना चाहते हैं इस दौरान प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ जी सी जैन अहमदाबाद ने समाज स्थिति पर अपनी चिंता से सभी को अवगत कराया। आगरा चातुर्मास में हो रहें विभिन्न आयोजन के बाद दस दिवसीय समयसार शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के वेटा वेटीया भाग ले रहे हैं इनके वीच अनेक विद्वान वनने की राह पर अग्रसर इन प्रशिक्षणतीयो ने कठिन तम कठिन मानें जाने

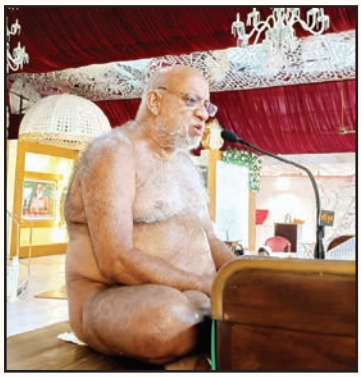

वाले श्री समयसार ग्रंथ को कंठस्थ कर देशभर की जैन समाज को अभिभूत ही नहीं अपनी ओर आकर्षित किया है आजइनके इनके कौशल की सब ओर प्रसंशा की जा रही है इस दौरान चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार मोढया हीरालाल वैनारा संयोजक मनोज वाकलीवाल अमित जैन आगरा इन व्यवस्थाओं को देख रहे हैं।

पाप को छोड़ना सरल है पुण्य के फल को छोड़ना कठिन है

इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि पाप को छोड़ना सरल है पाप के कारणों को छोड़ते ही है लेकिन पुण्य को छोड़ना कठिन है क्योंकि पुण्य से हमें सुख मिल रहा है जाति कुल परिवार को छोड़ ने को जिनवाणी कह रही है पुण्य के उदय से जो जो भी मिला है उसे छोड़ने का कहा जा रहा है अरे जव छुड़ाना ही था तो ग्रहण करने को क्यों कहा। छोड़ने को उसी को कहा जाता है जिसे आप ग्रहण कर सकते हैं उसको क्या छोड़ना जो हेय हो मध्य मधु मांस को तो वचपन में ही छूड़ लिया जाता है मैं अभक्ष्य नहीं खाऊंगा फिर भक्ष का त्याग करने को कहा गया है रात्रि भोजन करने का त्याग हो गया है और दिन में दो बार खा सकता था लेकिन एक बार ही ग्रहण कर लिया ये त्याग हो गया ज्ञानी पुरुष तप के साथ त्याग करके अपनी तपस्या को बढ़ाता चला जाता है इस वार दस लक्षण पर्व में तप त्याग की चर्चा को प्रधानता से किया गया था वैराग्य को कैसे वनाये और केसे बढ़ाया जाए इस और फोकस था तप और त्याग में इतना ही अंतर है कि जिसे आप ग्रहण कर सकते थे उसमें कोई वाधा भी नहीं थी फिर भी वुद्धि पूर्वक उसे छोड़ दिया ये त्याग कह लायेगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा इंडोर गेम्स व केसरिया गरबा का भव्य आयोजन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा इंडोर गेम्स व केसरिया गरबा का भव्य आयोजन आज दिनाँक 5 नवंबर 2023, भट्टारक जी की नसीया , छतरी वाला भाग में आयोजित किया जा रहा है। रीजन अध्यक्ष राजेश- सीमा बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में अनिल - शशि जैन क्धर, रीजन संस्थापक अध्यक्ष , सुरेन्द्र- मृदुला पंड्या रीजन परामर्शक, नवीन- शशि सेन जैन रीजन परामर्शक व रीजन प्रभारी, यश कमल संगीता अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष , अतुल- नीलिमा बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष, की गौरवमई उपस्थिति रहेगी । रीजन महासचिव निर्मल सरला संघी ने बताया कि इंडोर गेम्स केरम एवं शतरंज के संयोजक सुनील जैन, सुरेश लुहाडिया, ममता शाह हैं। दोनों प्रतियोगिता में चार आयु वर्ग (3 से 10 वर्ष), (11 से 18 वर्ष),(19 से 30 वर्ष), (31 वर्ष से ऊपर), रखे गए हैं। सभी आयु वर्ग में विजेता को प्रथम व द्वितीय पुरूस्कार से नवाजा जायेगा। शाम को महाआरती संगिनी फार एवर ग्रुप द्वारा आयोजित किया जायेगा जिसके संयोजक - सुनील बज, सुरेश जैन बांदीकुई, रमेश छाबड़ा है केसरिया गरबा के संयोजक- मनीष सोगानी, नीरज जैन, सुशीला बड़जात्या, सुनीता गंगवाल हैं। रीजन कोषाध्यक्ष पारस मंजू जैन ने अवगत कराया कि आकर्षक हाउजी के संयोजक - शकुंतला बिंदाक्या , समता गोदिका मंजू लता छाबड़ा, ममता गंगवाल, है। केसरिया गरबा में विजेताओं को निम्न ईनाम दी जायेगी बेस्ट ड्रैस मेल, फीमेल, किडस, कपल तथा बेस्ट डांसर मेल, फीमेल, किडस, कपल को चयनित कर विजेता घोषित किया जायेगा। कार्यक्रम में सभी ग्रुपों के अध्यक्ष सचिव की ओजस्वी उपस्थिति रहेगी तथा सभी ग्रुप सदस्य गण कार्यक्रम में शामिल होंगे ।

पुण्य का संग्रह नहीं किया तो कोई सुख सुविधा काम नहीं आएगी: इन्दुप्रभाजी म.सा.

आवेश के पलों में शांत रहने पर जटिल समस्याओं का भी समाधान: समीक्षाप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में भौतिक सुख सुविधाओं का संग्रह करने से तब कोई फायदा नहीं होने वाला जब तक आपके पास पुण्य नहीं होगा। पुण्य का संग्रह करते जाओ आपको सब कुछ मिलता चला जाएगा। यदि पुण्य का संग्रह नहीं कर पाए तो जो है वो भी चला जाएगा। पुण्य का संग्रह सांसारिक मोहमाया में लिप्त रहकर नहीं हो सकता इसके लिए धर्म के कार्य करने ओर जिनवाणी श्रवण करनी होगी। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शांत भाव में रहने से जीवन का कल्याण होता है तो क्रोध करने पर नाश होता है। इसलिए हमेशा शांतभाव रखते हुए जीवन में कार्य करने चाहिए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए राम के दण्डकारण पहुंचने सहित वनवास से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना के तहत तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने नवें अध्ययन नमी पव्वज्जा की चर्चा जारी रखते हुए कहा कि आवेश के पलों में भी मन को शांत रखने में सफल हो जाए तो जटिल समस्याओं का भी समाधान नजर आएगा। आवेश के पलों में शांत नहीं रहकर कोई गलत निर्णय कर ले तो समस्या अधिक जटिल बन जाती है। वैराग्य की भावना उपर से नहीं मन के आन्तरिक भावों से आनी चाहिए। मन में वैराग्य भाव जागृत हो जाए तो फिर भौतिक संपदा ओर सांसारिक सुखों से कोई मोह नहीं रह जाता है। उत्तराध्ययन आराधना के माध्यम से इस सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में दीपावली तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 4 बजे तक पुच्छीसुणम की आराधना रूप रजत विहार में हो रही है। इसमें तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. तीर्थकरों को समर्पित पुच्छीसुणम मंत्र का जाप करा रहे है। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।